एक सच्चा विश्वास: वो प्रश्न जिनका उत्तर विज्ञान नहीं दे सकता।

हांगकांग से नमस्कार ।आपके साथ फिर से होना अच्छा लगा। आज, मैं उस विषय को जारी रखना चाहता हूं जिसे मैंने पिछले सप्ताह शुरू किया था, जो कि मेरे दो सप्ताह पहले दिए गए इस बयान, कि ईसाई धर्म एक सच्चा विश्वास है, को सही ठहराने के लिए है। अब, पिछले सप्ताह हमने बाइबल की सटीकता का समर्थन करने वाले ऐतिहासिक और पुरातत्व प्रमाणों की जांच की। मेरा तर्क यह था कि अगर बाइबल ऐतिहासिक रूप से गलत साबित हो सकती है और पुरातत्व ज्ञान द्वारा समर्थित नहीं है, तो हमारे पास इसकी सामग्री को सच मानने का कोई कारण नहीं है।अब, यह देखते हुए कि २ तीमुथियुस ३:१६ में पॉल ने कहा है कि बाइबल 'ईश्वर की साँस' है, तब ऐतिहासिक अशुद्धि और बाइबिल की सामग्री के लिए पुरातत्व समर्थन की अनुपस्थिति भी पूरे ईसाई धर्म पर सवाल उठाएगी। हालाँकि, पिछले हफ्ते हम यह दिखाने में सक्षम थे कि पुरातत्व संबंधी खोजों ने साबित कर दिया है कि बाइबल सटीक है। क्षेत्र के विशेषज्ञों की कुछ गवाही इस तथ्य का समर्थन करती है।उदाहरण के लिए, पुराने नियम के बारे में, विलियम एफ अलब्राइट, बाइबिल पुरातत्व पर सबसे महान अधिकारियों में से एक, ने कहा है:

"इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि पुरातत्व ने पुराने नियम की परंपरा की पर्याप्त ऐतिहासिकता की पुष्टि की है।"[1]

"नए नियम के बारे में, लूका का जिक्र करते हुए, जो चार सुसमाचार लेखकों में से एक है और प्रेरितों के काम के लेखक हैं, जो यीशु के जीवन और उनकी विरासत पर चर्चा करते हैं, सर विलियम रैमसे, जो की इतिहास के सबसे महान वैज्ञानिकों में से एक हैं, कहा है कि:

"लूका पहली श्रेणी का इतिहासकार है; न केवल उनके तथ्य भरोसेमंद हैं... बल्कि इस लेखक को इतिहासकारों में सबसे महान के साथ रखा जाना चाहिए।"[2]

अब, इस हफ्ते हम वैज्ञानिक सिद्धांतों में खामियों को उजागर करके बाइबल की प्रामाणिकता की जांच करेंगे जो इस दुनिया के निर्माण और विकास के वैकल्पिक खातों के रूप में प्रस्तावित हैं जो हम बाइबल में पढ़ते हैं। इस शिक्षण का शीर्षक है -'प्रश्न जिनका उत्तर विज्ञान नहीं दे सकता। अब, इस शीर्षक को चुनने में, मेरा तर्क काफी सरल है: यदि विज्ञान, ब्रह्मांड के निर्माण के अपने सिद्धांत और विकास के माध्यम से मानव अस्तित्व के लिए एक संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रदान नहीं कर सकता है, तो हम केवल संभव वैकल्पिक स्पष्टीकरण के साथ छोड़ दिए जाते हैं; भगवान ने अपने 'बुद्धिमान डिजाइन' के माध्यम से, ब्रह्मांड और उसमें सब कुछ बनाया जैसा कि बाइबल में वर्णित है।

चलिए शुरू करते हैं ब्रह्माण्ड के निर्माण की प्रतिस्पर्धात्मक व्याख्याओं की जाँच से।

ब्रह्मांड का निर्माण

ब्रह्माण्ड की रचना कैसे हुई, इस पर बाइबल बिल्कुल स्पष्ट है और उत्पत्ति १ की शुरुआत यह सब कहती है- बाइबल निम्नलिखित कथन के साथ खुलती है: *शुरुआत में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।* (उत्पत्ति १: १)।

[1] William F. Albright, Archaeology and the Religions of Israel (Baltimore: The Johns Hopkins University Press, 1968), p. 176.
[2] W. M. Ramsay, The Bearing of Recent Discovery on the Trustworthiness of the New Testament (Grand Rapids: Baker Book House, 1953), p. 222

इस सरल सत्य के विपरीत, अधिकांश वैज्ञानिक अभी भी निर्माण के बाइबिल खाते के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण के रूप में बिग बैंग थ्योरी के संस्करण में विश्वास करते हैं। हालांकि, बिग बैंग सिद्धांत में कुछ मौलिक दोष हैं और उनमें से कई हैं। हालांकि, इस शिक्षण के लिए उपलब्ध समय को देखते हुए, मैं केवल एक का उल्लेख करूंगा जो मेरा मानना है कि सिद्धांत में केंद्रीय दोष है। ईसाई कूरियर के एक लेख में यह बहुत अच्छी तरह से वर्णित है।[3] यह लेख कहता है:

"बिग बैंग परिदृश्य अनुमान लगाता है कि अद्भुत रूप से क्रमबद्ध ब्रह्मांड बेतरतीब ढंग से एक विशाल विस्फोट के परिणामस्वरूप - एक "प्रलय",..... मानव अनुभव के इतिहास में कभी भी एक अस्त व्यस्त विस्फोट एक जटिल व्यवस्था, जो उद्देश्यपूर्ण तरीके से संचालित होता है, का उत्पादन करते हुए नहीं देखा गया है। एक प्रिंट शॉप में विस्फोट एक विश्वकोश का उत्पादन नहीं करता है। एक तूफ़ान कबाड़खाने से गुजरता हुआ व्यापक बोइंग-७४७ का निर्माण नहीं करता है। कोई भी भवन निर्माण का ठेकेदार अपनी सामग्रियों को खाली जगह पर डालकर , बारूद संलग्न कर के परिणामी धमाके से एक पूर्ण घर के निर्माण की प्रतीक्षा नहीं करता है। यह विचार बेतुका है।"

ऊष्मप्रवैगिकी और विकास का दूसरा नियम

बिग बैंग सिद्धांत वास्तव में वैज्ञानिकों के अपने ही कानून का उल्लंघन करता है, जो कि थर्मोडायनामिक्स का दूसरा कानून है जिसे समय के साथ अव्यवस्था और क्षय के सार्वभौमिक कानून के रूप में देखा जा सकता है। आम आदमी के शब्दों में थर्मोडायनामिक्स के दूसरे नियम का मतलब है कि जटिल चीज़ों को अगर अकेला छोड़ दिया जाये तो वे क्षय की प्रक्रिया से सरल चीजें बन जाती हैं। एक इंसान, उदाहरण के लिए, जब मरने के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है (जैसा कि हम सभी करते हैं) अंततः धूल बन जाता है यह वैज्ञानिकों द्वारा पहचाना और व्यक्त किया गया एक सार्वभौमिक कानून है। हालांकि, वही वैज्ञानिक आमतौर पर विकास में विश्वास करते हैं जहां एक दुनिया को अकेले छोड़ दिया, स्तस्तनपायी जीवों के माध्यम से, वानरों के माध्यम से और फिर मनुष्य को उसकी सारी जटिलता के माध्यम से सरल जीवों के विकास में सक्षम बनाता है।वैज्ञानिकों के लिए सरल सवाल यह है कि विकासवाद का सिद्धांत, यहाँ कोई गलती न करें, यह केवल एक सिद्धांत है, संतोषजनक ढंग से थर्मोडायनामिक्स के अपने दूसरे कानून के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित कर सकता है?

पृथ्वी की जनसंख्या

अब, आइए पृथ्वी की जनसंख्या पर चर्चा करें। आधुनिक भूवैज्ञानिक और भूभौतिकीविद् इस बात से सहमत हैं कि पृथ्वी की आयु लगभग ४ .५४ बिलियनवर्ष है। मनुष्य के अस्तित्व पर वैज्ञानिक राय २०० ,००० से २ मिलियन वर्ष तक है, इस अटकल के साथ कि मनुष्य का एक पुराना रूप, जिसका नाम लुसी है, जिसे इथियोपिया में खोजा गया था, ३ .६ मिलियन वर्ष पुराना है।

इसके विपरीत, बाइबल लगभग ६००० वर्षों तक नूह और द ग्रेट फ्लड के साथ मनुष्य के अस्तित्व को इंगित करती है जो लगभग ४३०० साल पहले हुआ था जब केवल चार जोड़े बच गए थे। ये नूह और उनके तीन बेटे, शेम, हाम, और यिप्तह और उनकी पत्नियाँ थे।

---

[3] www.christiancourier.com/articles/133-the-big-bang-theory-vs-gods-word

नूह के बाद से इस पृथ्वी पर मनुष्य के अस्तित्व के लिए बाइबिल की समयसीमा के आधार पर,और विश्व की औसत विकास दर का उपयोग करके एक प्रतिशत के आधे से कम की दुनिया की आबादी में, जो कि ४०० साल के आंकड़ों के आधार पर एक वैज्ञानिक गणना है, दुनिया की आबादी लगभग ७ अरब, जो की आज है, होनी चाहिए।हालांकि, विकासवादियों के समय का उपयोग करते हुए और यह मानते हुए कि मानव जाति के लगभग ५०० ,००० साल हो गए हैं (जो वैज्ञानिकों को ध्यान में रखते हुए एक काफी रूढ़िवादी अनुमान है कि वैज्ञानिकों का दावा है कि आदमी ३ .६ मिलियन वर्षों के लिए रहा हो सकता है), विकास की आधी से कम की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर एक प्रतिशत इसके बाद की वर्तमान जनसंख्या को लगभग २ .४५ गुणा १० गुणा ९९० नॉट्स के साथ देता है।[4]

यदि विकासवादियों की गणना सही है, तो क्यों हम सचमुच अपने साथी पृथ्वीवासियों के साथ कंधे नहीं रगड़ रहे हैं, और हम हड्डियों और कंकालों में अपनी गर्दन तक क्यों नहीं धसे हैं?

अय्यूब की किताब और डायनासोर

विकासवादियों का दावा है कि बाइबल डायनासोर का वर्णन नहीं कर सकती है, और यह सच है कि डायनासोर का उल्लेख बाइबिल में इस नाम से नहीं किया गया है क्योंकि, काफी सरल रूप से, इस शब्द का आविष्कार १९ वीं शताब्दी तक नहीं हुआ था।

अब, बाइबल की सबसे पुरानी किताबों में से एक, अय्यूब की पुस्तक, जो संभवत: ईसा से २००० साल पहले लिखी गई थी, अध्याय ४० श्लोक १५-२४ में निम्नलिखित है - ध्यान से सुनने के लायक: उस जलगज को देख, जिस को मैं ने तेरे साथ बनाया है, वह बैल की नाईं घास खाता है।

देख उसकी कटि में बल है, और उसके पेट के पट्ठों में उसकी सामर्थ्य रहती है। वह अपनी पूंछ को देवदार की नाईं हिलाता है; उसकी जांघों की नसें एक दूसरे से मिली हुई हैं। उसकी हड्डियां मानो पीतल की नलियां हैं, उसकी पसुलियां मानो लोहे के बेंड़े हैं। वह ईश्वर का मुख्य कार्य है; जो उसका सिरजनहार हो उसके निकट तलवार ले कर आए! निश्चय पहाड़ों पर उसका चारा मिलता है, जहां और सब वनपशु कालोल करते हैं। वह छतनार वृक्षों के तले नरकटों की आड़ में और कीच पर लेटा करता है छतनार वृक्ष उस पर छाया करते हैं, वह नाले के बेंत के वृक्षों से घिरा रहता है। चाहे नदी की बाढ़ भी हो तौभी वह न घबराएगा, चाहे यरदन भी बढ़ कर उसके मुंह तक आए परन्तु वह निर्भय रहेगा। जब वह चौकस हो तब क्या कोई उसको पकड़ सकेगा, वा फन्दे लगा कर उसको नाथ सकेगा?

कुछ ने दावा किया है कि यह एक हाथी या हिप्पो (जलहस्ती) का वर्णन है। हालाँकि, अय्यूब के मार्ग में, हम सीखते हैं कि यह एक विशेष रूप से बड़ा प्राणी है (यह परमेश्वर के कार्यों में पहले स्थान पर है)इसकी पूंछ की तुलना एक देवदार के पेड़ से की जाती है, जो कि बड़े वृक्षों की किस्मों में से एक है, यह एक शाकाहारी है, एक पौधा खाने वाला है, और इसके आवास में पानी भी शामिल है - याद रखें कि यह एक दलदल में नरकट के बीच छिपा है।क्या यह एक हाथी या हिप्पो (जलहस्ती) का वर्णन है, या यह सबसे बड़े डायनासोर का संदर्भ है: एपेटोसॉरस, जो कभी मौजूद सबसे बड़े भूमि जानवरों में से एक था? अब, आप अपनी स्क्रीन पर अब एक एटोपोसॉरस का चित्रण करते हुए एक छोटा वीडियो देख रहे होंगे, एक ऐसा प्राणी जिसे पूर्व में गलत तरीके से जाना जाता था, एक ब्रोंटोसॉरस के रूप में, जिस से आप को परिचित होना चाहिए।इसके समग्र आकार और विशेष रूप से इसकी पूंछ के आकार पर ध्यान दें। यह जीव पानी में खुश था, वास्तव में ठंडा रहने के लिए पानी में ज्यादा समय बिताता था, और यह शाकाहारी था।

---

[4] http://www.kolbecenter.org/population-statistics-support-biblical-chronology/

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अय्यूब के अनुछेदसे पता चलता है कि बेमौथ अय्यूब के साथ बना था।यदि हम एक पल के लिए स्वीकार करते हैं कि अय्यूब के अन्नुछेद मेंवास्तव में एक एटोपोसॉरस का वर्णन होता है, तो हमारे पास डायनासोर के साथ मनुष्य का सह-अस्तित्व है, कुछ ऐसा जो सामान्य वैज्ञानिक समुदाय द्वारा सपाट रूप से इनकार किया जाता है।हालाँकि, डायनासोरों के साथ और कुछ मौकों पर डायनासोर के प्रिंट के भीतर जीवाश्म मानव पैरों के निशान पाए जाने की खबरें आई हैं, जो निश्चित रूप से मनुष्य और डायनासोर के सह-अस्तित्व को इंगित करता है।5 अपनी पुस्तक में, "वॉकिंग एमीडस्ट द डायनासोर", डीआरएस। ब्रैड हैरब और बर्ट थॉम्पसन, निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे हैं:

"लोकप्रिय राय के विपरीत, डायनासोर रचनाकारों के लिए एक समस्या पेश नहीं करते हैं। वास्तव में, सच बिल्कुल विपरीत है।यह विकासवादियों की समस्या है। जबकि वे यह बनाए रखते हैं, क्योंकि अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के दिवंगत जीवाश्म विज्ञानी रोलैंड टी। बर्ड ने एक बार यह कहा था, 'सरीसृपों की आयु में कोई भी व्यक्ति कभी अस्तित्व में नहीं था' (१९३९, ४३ [५] : २५७ सबूत दस्तावेज बिल्कुल विपरीत।"6

समुद्री घोंगा

मैं एक पल के लिए समुद्री घोंगा के बारे में बात करना चाहता हूं, हर किसी के होंठों पर नहीं, है ना? विकास पर्यावरण के अनुकूलन के बारे में है। समुद्री घोंगा समुद्री एनीमोन पर जीतें हैं जिनमें जहर डार्ट्स (डंक)होते हैं, जो समुद्री घोंगा अपने बचाव के लिए अपने पेट के अंदर डालते हैं?7

विकासवादियों को यह समझाने की आवश्यकता है कि कैसे एक समुद्री घोंगा को जहर डार्ट्स को अवशोषित करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता था जब पहली घोंगा को अनुकूलित नहीं किया गया था, क्या वे डार्ट्स के संपर्क में आने से मर गए होंगे?

वानरों से मनुष्य का विकास

आइए एक केंद्रीय मुद्दे पर चलते हैं: वानरों से मनुष्य का विकास, जो इस दुनिया में एक स्वीकृत ज्ञान बन गया है, जहां इस तथाकथित ज्ञान का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है।जीवाश्म 'मिसिंग लिंक' का कोई ठोस सबूत नहीं है। तथाकथित ' मिसिंग लिंक 'या संक्रमणकालीन जीवाश्मों में से एक भी ऐसा नहीं है जो वानरऔर मनुष्य के बीच की कड़ी को दिखा रहा हो और निर्विवाद रूप से सही साबित हुआ हो।

इंस्टीट्यूट फॉर क्रिएशन साइंस वेबसाइट के अनुसार

"पूरे जीवाश्म रिकॉर्ड में, किसी भी दो प्रजातियों के बीच एक कारण संबंध साबित करने वाला एक भी असमान संक्रमण रूप नहीं है। हमने जिन अरबों जीवाश्मों की खोज की है, उनके हजारों स्पष्ट उदाहरण होने चाहिए। जीवाश्म रिकॉर्ड में प्रजातियों के बीच संक्रमणों की कमी जीवन के निर्माण की उम्मीद थी।"8

---

[5] http://www.Biblebelievers.org.au/giants.htm
[6] Harrup, B and Thompson, B (2003). Walking Amidst the Dinosaurs, Reason and Revelation, 23 (2): 15
[7] http://creationanswers.net/inteldesign/seaslug.htm
[8] http://www.icr.org/fossils-stasis/

इसे आम आदमी की भाषा में कहें तो, एक बंदर से मनुष्य का विकास, अगर ऐसा हुआ, तो यह मैक्रो-एवोल्यूशन का उदाहरण होगा, जो एक प्रजाति से दूसरे प्रजाति का विकास है।यदि ऐसा होता है, जैसा कि विकासवादियों का दावा है, तो हम कई संक्रमणकालीन जीवाश्मों को खोजने की उम्मीद करेंगे, जबकि वास्तव में, हमारे पास कोई स्पष्ट, निर्विवाद उदाहरण नहीं है।ऐसा इसलिए है क्योंकि मैक्रो-इवोल्यूशन ऐसा नहीं होता है और न ही होगा। क्यों, क्योंकि प्रभु ने प्रजातियों का निर्माण किया और जैसा वे हैं, और वे अन्य प्रजातियां मैं नहीं बदलते। किसी को मैक्रो-इवोल्यूशन पर विश्वास करने के लिए वास्तव में एक अंध विश्वास को बढ़ावा देना होगा!

चिरायता और विकास

अब, चलो एक मिनट के लिए थोड़ा तकनीकी प्राप्त करें और चिरवाद की धारणा पर चर्चा करें, जो वास्तव में पूरी तरह से विकास के विचार के साथ फैलता है।अमीनो एसिड प्रोटीन और जीवन के निर्माण खंड हैं। अमीनो एसिड बाएं और दाएं-बाएं दोनों रूपों में मौजूद है और इस संपत्ति को चिरलिटी 'कहा जाता है।हमारे हाथों में चिरायता की संपत्ति होती है इसका मतलब है कि वे दाएं हाथ या बाएं हाथ की दर्पण छवियां हैं। अब, केवल बाएं हाथ के अमीनो एसिड की जंजीरें काम करने वाले प्रोटीन अणु का निर्माण करने में सक्षम हैं जो जीवन का निर्माण करती है।हालांकि, संयोग से अमीनो एसिड का कोई भी उत्पादन, बाएं हाथ और दाएं हाथ के अमीनो एसिड के बराबर अनुपात का उत्पादन करता है।[9] इसलिए, जीवन संयोग से निर्मित नहीं हो सकता है और विकास इस विचार पर आधारित है कि जीवन संयोग से आया है!

सारांश

अब, इस सप्ताह, मैंने अपने उपलब्ध समय में केवल कुछ मुद्दों को प्रस्तुत किया है, जो कि वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड की उत्पत्ति और मानव अस्तित्व और विकास की व्याख्या करने के अपने प्रयासों में हल नहीं किए हैं।इसके लिए एक बहुत अच्छा कारण है, और यह काफी सरल है क्योंकि उनके सिद्धांत निर्माण और अस्तित्व के लिए कोई विश्वसनीय जवाब नहीं देते हैं।वास्तव में, हम इन वैज्ञानिक व्याख्याओं को केवल एक वैज्ञानिक समुदाय से अनुमान के रूप में देख सकते हैं, जो स्वयं के कारणों से, तथ्यों का सामना करने से इनकार करते हैं, *अर्थात् शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।* (उत्पत्ति १: १)

खैर, मुझे उम्मीद है कि इस सप्ताह के अध्यापन से आपको अपने चर्चों और अपने विभिन्न समूहों में चर्चा के लिए काफी गुंजाइश मिली है। मैं अगले सप्ताह आपको मिलूंगा, जब हम इस श्रृंखला को 'एक सच्चा विश्वास' , इस दुनिया में दो अन्य प्रमुख धर्मों के साथ ईसाई धर्म की तुलना करके समाप्त करेंगे; मूल रूप से हिंदू और इस्लाम इस आधार पर कि वे संख्या के मामले में ईसाई धर्म के अलावा दो सबसे बड़े धर्म भी हैं। इसलिए मैं आपको अगले सप्ताह देखने के लिए उत्सुक हूं। आपका सप्ताह शुभ हो। भगवान भला करे।

---

[9] http://www.icr.org/article/105/

<u>चर्चागत प्रश्न</u>

१. इस सप्ताह के शिक्षण में तर्क को देखते हुए, ईसाई के लिए विज्ञान का क्या मूल्य है?

२. शिक्षण को वृहद विकासवाद शब्द कहा जाता है। निर्माण बनाम विकास बहस में उपयोग किया गया एक और शब्द है जिसे माइक्रो-इवोल्यूशन कहा जाता है। दोनों के बीच क्या अंतर है?

३. विज्ञान ने 'अच्छा ’और ' बुरा’ अर्थात् नैतिकता और आचार-विचार की धारणाओं के बारे में क्या कहा है?

४. पुरातनपंथी के बारे में क्या। निश्चित रूप से हम सभी जानते हैं कि ये मनुष्य के पुराने संस्करण थे, अर्थात, आधुनिक मनुष्य के विकासवादी पूर्वज! क्या ये सच है?

५. जिम अय्यूब की पुस्तक के अध्याय, अध्याय ४० के श्लोक १५-१९ में मनुष्य और डायनासोर के सह-अस्तित्व के प्रमाण के रूप में बताया गया है। क्या अय्यूब के इस मार्ग के बाहर कोई अन्य प्रमाण है, कि पुरुष और डायनासोर एक ही समय में रहते थे?

© जेम्स पाउंडर

द लिटिल चर्च वर्ल्ड

5 दिसंबर, 2013